Deccan Education Society's

FERGUSSON COLLEGE, PUNE
(AUTONOMOUS)

SYLLABUS UNDER AUTONOMY

FIRST YEAR B.A.
SEMESTER – I

SYLLABUS FOR F.Y. B.A. (हिंदी)

Academic Year 2016-2017

DECCAN EDUCATION SOCIETY'S
FERGUSSON COLLEGE, PUNE

CHOICE-BASED CREDIT SYSTEM
Arts Faculty - UG

Subject: Hindi (B.A.)

Class	Code	Paper Title	Credits
F.Y. B.A. Semester I	HIN1101	हिंदी साहित्य और विज्ञापन - I	3
F.Y. B.A. Semester II	HIN1201	हिंदी साहित्य और विज्ञापन - II	3

PAPER CODE: HIN1101

PAPER – I: हिंदी साहित्य और विज्ञापन - I

[Credit -3: No. of Lectures 48]

Title and Contents				No. of Lectures
Unit –I (गद्य)	1.1	पंच परमेश्वर (कहानी) -	प्रेमचंद	03
	1.2	हार की जीत (कहानी) -	सुदर्शन	03
	1.3	पंचलाइट (कहानी) -	फणीश्वरनाथ रेणु	04
	1.4	क्लेम (कहानी) -	मोहन राकेश	03
	1.5	सुभान खाँ (रेखाचित्र) -	रामवृक्ष बेनीपुरी	03
	1.6	भगत की गत (व्यंग्य) -	हरिशंकर परसाई	03
	1.7	बंटी की कहानी (आत्मकथा अंश) -	मन्नू भंडारी	04
Unit –II (पद्य)	2.1	दोनों ओर प्रेम पलता है (कविता) -	कवि मैथिलीशरण गुप्त	03
	2.2	स्नेह निर्झर बह गया है (कविता) -	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	03
	2.3	क्या पूजन क्या अर्चन रे ? (कविता) -	महादेवी वर्मा	03
	2.4	ठुकरा दो या प्यार करो ? (कविता) -	सुभद्राकुमारी चैहान	03
	2.5	पुष्प की अभिलाषा (कविता) -	माखनलाल चतुर्वेदी	03
	2.6	हो गई है पीर (ग़ज़ल) -	दुष्यंत कुमार	03
Unit –III (विज्ञापन)	3.1	विज्ञापन: अवधारणा, उद्देश्य एवं महत्व		02
	3.2	विज्ञापन और उपभोक्ता व्यवहार, विचारधाराएँ, नैतिक प्रश्न और सामाजिक संदर्भ		03
	3.3	विज्ञापनों का वर्गीकरण, प्रमुख अंग और सिद्धांत		02

References:

1. गद्य वैभव - संपा. डॉ. राजेंद्र खैरनार, स्नेहवर्धन प्रकाशन, सदाशिव पेठ, पुणे।

2. काव्य सरिता - संपा. डॉ. सुरेश साळुंके, स्नेहवर्धन प्रकाशन, सदाशिव पेठ, पुणे।

3. व्यावहारिक हिंदी - कैलाशचंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।

4. हिंदी भाषा एवं व्याकरण - डॉ. माया प्रकाश पांडेय, चिंतन प्रकाशन, कानपुर।

5. मानक हिंदी व्याकरण - पृथ्वीनाथ पांडे, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

Deccan Education Society's

FERGUSSON COLLEGE, PUNE
(AUTONOMOUS)

SYLLABUS UNDER AUTONOMY

FIRST YEAR B.A.
SEMESTER – II

SYLLABUS FOR F.Y. B.A. (हिंदी)

Academic Year 2016-2017

PAPER CODE: HIN1201

PAPER – II: हिंदी साहित्य और विज्ञापन - II

[Credit -3: No. of Lectures 48]

Title and Contents			No. of Lectures
Unit – I (गद्य)	4.1	सुख (कहानी) - काशीनाथ सिंह	03
	4.2	वही की वही बात (कहानी) - रमेश बक्षी	03
	4.3	महाशुद्र (कहानी) - मोहनदास नैमिशराय	03
	4.4	महानगर की मैथिली (कहानी) - सुधा अरोड़ा	03
	4.5	बहू की विदा (एकांकी) - विनोद रस्तोगी	03
	4.6	मेरा ज्ञान-मेरा अज्ञान (कहानी) - शंकर पुणतांबेकर	03
	4.7	कथाकार उदय प्रकाश से बातचीत (साक्षात्कार) - सुभाष चंद्र मौर्य	03
Unit – II (पद्य)	5.1	भोर हो गई (कविता) - नरेंद्र शर्मा	03
	5.2	जो बीत गई (कविता) - हरिवंशराय बच्चन	03
	5.3	अकाल और उसके बाद (कविता) - नागार्जुन	03
	5.4	टूटा पहिया (कविता) - धर्मवीर भारती	03
	5.5	जो शिलाएँ तोड़ते हैं (कविता) - केदारनाथ अग्रवाल	03
	5.6	आखों से सिर्फ (ग़ज़ल) - जहीर कुरेशी	03
Unit – III (विज्ञापन)	6.1	विज्ञापन सृजन : संप्रत्यय] सृजनात्मक लेखन] प्रारूप निष्पादन	05
	6.2	विज्ञापनों की अभिकल्पना (डिजाइन) के सिद्धांत और अभिविन्यास (ले आउट)	04

References:

1. मानक हिंदी व्याकरण - पृथ्वीनाथ पांडे, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. भाषा के विविध रूप और अनुवाद - प्रो. कृष्णकुमार गोस्वामी, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।
3. देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण - केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली।
4. समकालीन हिंदी कहानी का इतिहास - डॉ. अशोक भाटिया, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।
5. सुबोध हिंदी व्याकरण एवं रचना - वीरेंद्रकुमार गुप्त, एस चंद एण्ड कंपनी लि. समतानगर, नई दिल्ली।
6. हिंदी व्याकरण - डॉ. कामताप्रसाद गुरू, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।